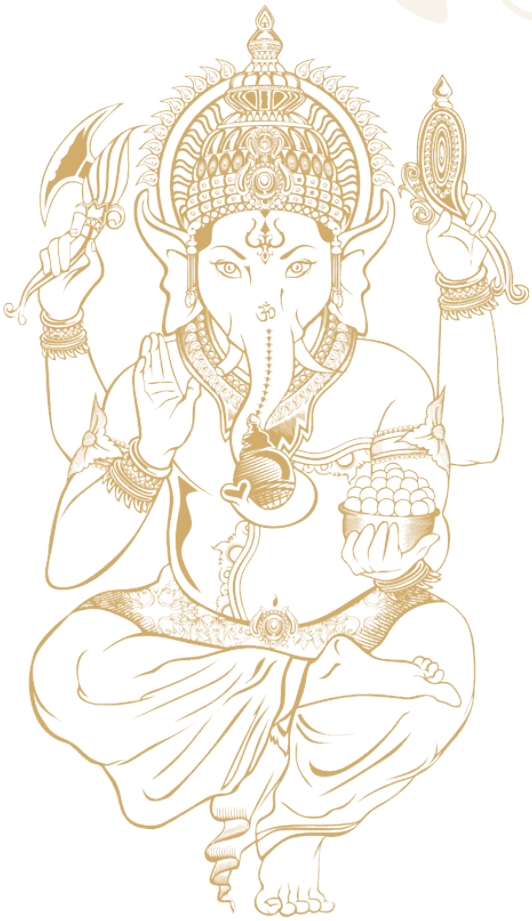

ANSHU

Sharon

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120812701

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120812701 Date: 03/01/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/05/1993	जन्म तिथि	07/11/1996
रविवार	दिन	गुरुवार
घंटे 11:15:00	जन्म समय	16:48:00 घंटे
घटी 12:56:55	जन्म समय(घटी)	25:14:48 घटी
India	देश	Bangladesh
Bombay	स्थान	Dhaka
18:58:00 उत्तर	अक्षांश	23:43:00 उत्तर
72:50:00 पूर्व	रेखांश	90:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	90:00:00 पूर्व
घंटे -00:38:40	स्थानिक संस्कार	00:01:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:04:14	सूर्योदय	06:11:54
19:06:06	सूर्यास्त	17:15:55
23:46:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:47
कर्क	लग्न	मेष
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मीन	राशि	कन्या
गुरु	राशि-स्वामी	बुध
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	उ०फाल्गुनी
गुरु	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
4	चरण	4
विष्कुम्भ	योग	वैधृति
विष्टि	करण	कौलव
दी-दीपांकर	जन्म नामाक्षर	पी-पिंगला
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
विप्र	वर्ण	वैश्य
जलचर	वश्य	मानव
सिंह	योनि	गौ
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मूषक

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 2वर्ष 3मा 2दि		13:27:30	कर्क	लग्न	मेष	14:17:31	सूर्य 1वर्ष 4मा 27दि	
बुध		01:36:17	वृष	सूर्य	तुला	21:29:41	राहु	
18/08/2014		01:27:07	मीन	चंद्र	कन्या	06:52:09	06/04/2015	
19/08/2031		15:19:00	कर्क	मंगल	सिंह	10:38:53	06/04/2033	
बुध	14/01/2017	01:45:08	वृष	बुध	तुला	24:48:27	राहु	17/12/2017
केतु	11/01/2018	11:21:57	कन्या व	गुरु	धनु	20:03:21	गुरु	12/05/2020
शुक्र	11/11/2020	18:57:06	मीन	शुक्र	कन्या	17:02:08	शनि	19/03/2023
सूर्य	18/09/2021	06:03:01	कुंभ	शनि व	मीन	07:23:19	बुध	05/10/2025
चन्द्र	17/02/2023	18:32:21	वृश्चि व	राहु	कन्या	13:45:37	केतु	24/10/2026
मंगल	14/02/2024	18:32:21	वृष व	केतु	मीन	13:45:37	शुक्र	23/10/2029
राहु	03/09/2026	28:15:42	धनु व	हर्ष	मक	07:10:16	सूर्य	17/09/2030
गुरु	08/12/2028	27:14:24	धनु व	नेप	मक	01:26:40	चन्द्र	18/03/2032
शनि	19/08/2031	00:20:10	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	08:29:40	मंगल	06/04/2033

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:46:08 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:47

लग्न-चलित

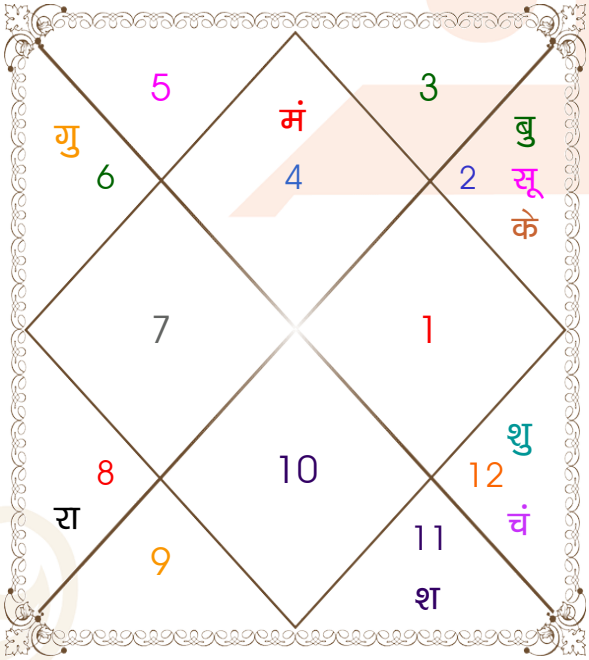

लग्न-चलित

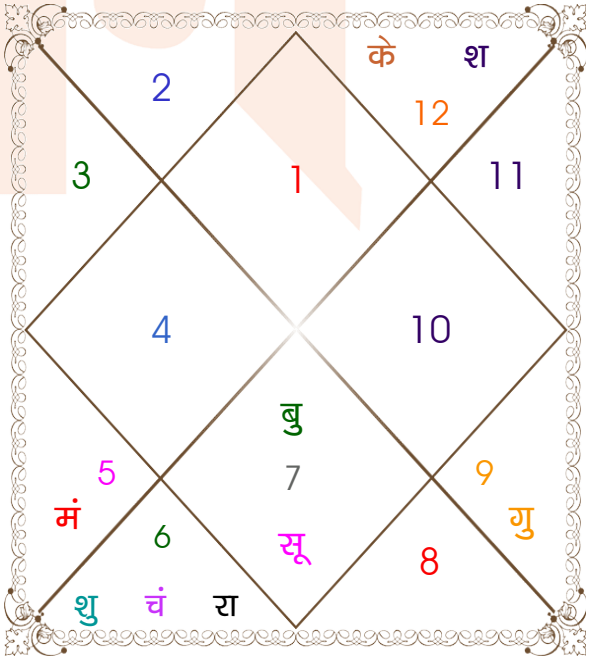

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	गौ	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

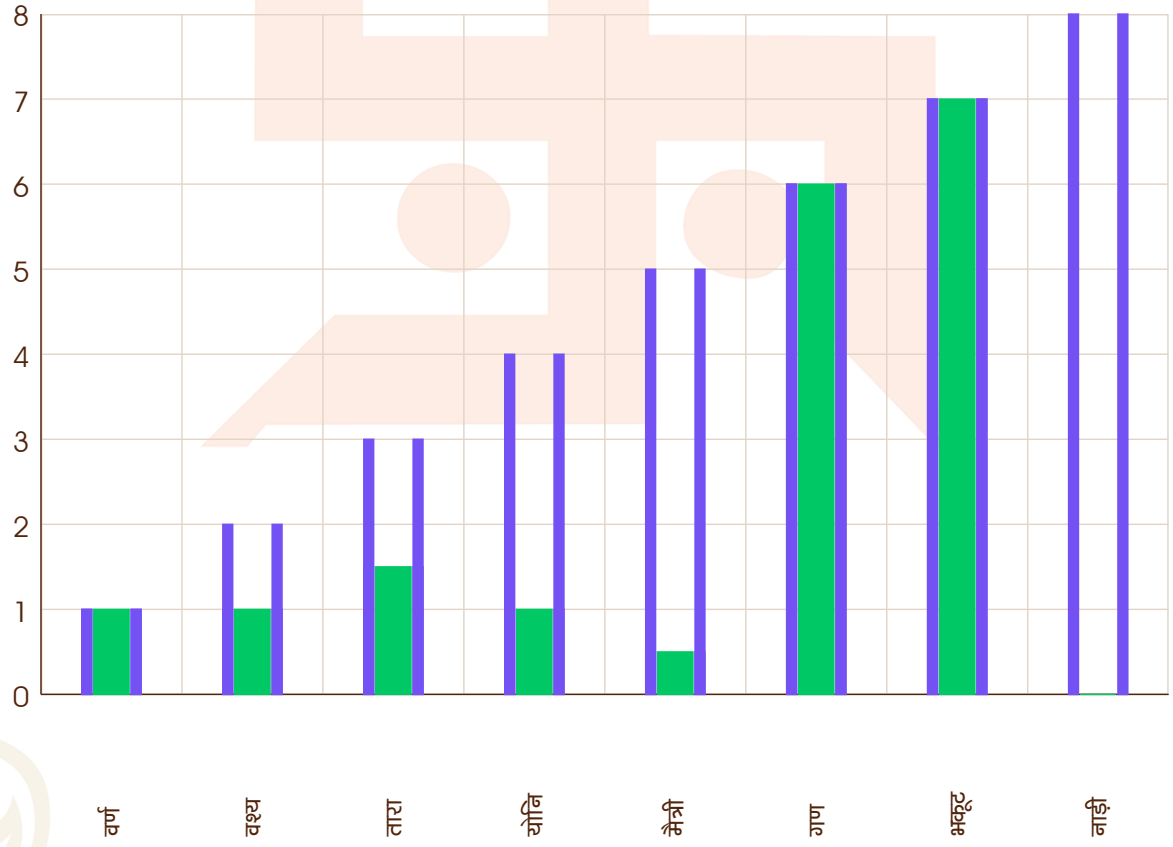

अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

ANSHU का वर्ग सर्प है तथा Sharon का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ANSHU और Sharon का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ANSHU मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्थ;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल ANSHU कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Sharon मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Sharon कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ANSHU तथा Sharon में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ANSHU का वर्ण ब्राह्मण तथा Sharon का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। Sharon सदैव अपने पति तथा घर में बड़ों का सम्मान करेगी तथा उनकी आज्ञा का पालन करती रहेंगी। Sharon मितव्ययी होंगी तथा बचत करके पैसे को लाभदायक उपादानों में निवेश करती रहेंगी।

वश्य

ANSHU का वश्य जलचर है एवं Sharon का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में Sharon अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि ANSHU उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

ANSHU की तारा प्रत्यरि तथा Sharon की तारा साधक है। ANSHU की तारा प्रत्यरि होने के कारण यह मिलान औसत मिलान ही है। विवाह के उपरांत ANSHU कालांतर में बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं नैतिक पतन का शिकार हो सकता है। उसके अवैध संबंध भी हो सकते हैं। परिणामस्वरूप Sharon को काफी कष्टों का सामना करना पड़ सकता है। भविष्य में तनाव, निराशा, अवसाद एवं पीड़ा के कारण उसका झुकाव अध्यात्म की ओर हो सकता है।

योनि

ANSHU की योनि सिंह है तथा Sharon की योनि गौ है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति

को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ANSHU का राशि स्वामी Sharon के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Sharon का राशि स्वामी ANSHU के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

ANSHU का गण मनुष्य तथा Sharon का गण भी मनुष्य ही है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के स्वभाव एक जैसे होंगे। दोनों भौतिक सुखों के आकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान, व्यावहारिक तथा मिलनसार रहेंगे। तथा साथ मिलकर अपने सभी दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

भकूट

ANSHU एवं Sharon की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा ANSHU व Sharon को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

ANSHU की नाड़ी आद्य है तथा Sharon की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ANSHU एवं Sharon दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

ANSHU की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा Sharon की राशि भूमि तत्व युक्त कन्या राशि है। जल एवं भूमि में नैसर्गिक मित्रता तथा समता होने के कारण इनके मध्य स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिनसे परस्पर संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन भी सुखी रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

ANSHU की राशि का स्वामी बृहस्पति तथा Sharon की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम तथा शत्रु राशियों में स्थित है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष सुखद नहीं होंगी। इसके प्रभाव से परस्पर संबंधों में कटुता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देंगे जिससे ANSHU और Sharon का आलोचनात्मक तथा अविश्वास का परस्पर दृष्टिकोण रहेगा इससे वैवाहिक जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। अतः यदि ANSHU और Sharon परस्पर सामंजस्य की प्रवृति का पालन करें तो किंचित शुभता उनके दाम्पत्य जीवन में हो सकती है।

ANSHU और Sharon की राशियां परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है। शास्त्र के अनुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति के भाव में वृद्धि होगी। इससे आपसी संबंधों में मधुरता रहेगी जिससे दाम्पत्य जीवन में सुख शांति तथा प्रसन्नता बनी रहेगी। इसके साथ ही एक दूसरे के प्रति सम्मान एवं विश्वास के भाव में भी वृद्धि होगी।

ANSHU का वश्य वनचर तथा Sharon का वश्य मानव है। वनचर एवं मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी अलग होंगी। फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन में कटुता रहेगी।

ANSHU का वर्ण ब्राह्मण तथा Sharon का वर्ण वैश्य है। अतः ANSHU की प्रवृति धार्मिक तथा शैक्षणिक कार्य कलापों में रहेगी जबकि Sharon धनार्जन में विशेष तत्पर रहेंगी तथा धन को विशेष महत्व प्रदान करेंगी इससे यदा कदा ANSHU और Sharon के मध्य मतभेद उत्पन्न हो सकते है।

धन

ANSHU और Sharon दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य

से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

ANSHU और Sharon दोनों ही आद्य नाड़ी में हुए है। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है जिससे इनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है परन्तु Sharon के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव होगा तथा साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Sharon को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से ANSHU और Sharon का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से ANSHU और Sharon को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त ANSHU और Sharon के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Sharon का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Sharon के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Sharon सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा ANSHU और Sharon को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार ANSHU और Sharon का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Sharon के सास से संबधों में मधुरता के भाव की सामान्यतया न्यूनता ही रहेगी तथा अपनी सास के साथ सामंजस्य स्थापित करने में उनको काफी कठिनाई तथा असुविधा का सामना करना पड़ेगा। अतः उनसे संबधों में मधुरता लाने के लिए Sharon को धैर्य तथा बुद्धिमता

का परिचय देना चाहिए तथा अपने समस्त कार्य कलापों को सक्रियता से सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही ससुर से भी Sharon को समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी तथा उन्हें प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में उन्हें कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। ननद एवं देवरों से भी Sharon के संबधों में तनाव का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सहानुभूति के भाव में न्यूनता रहेगी फलतः परस्पर प्रतिद्वन्दिता एवं आलोचना का भाव रहेगा।

इस प्रकार Sharon का ससुराल के लोगों से अच्छे संबध नहीं रहेंगे जिससे यदा कदा वे असुविधा की अनुभूति कर सकती हैं।

ससुराल-श्री

ANSHU के सास के साथ सामान्यतया अच्छे ही संबध रहेंगे तथा उनके प्रति इनके मन में सम्मान तथा आदर का भाव सर्वदा विद्यमान रहेगा। सास को वह माता के समान समझेंगे तथा वह भी उन्हें पुत्रवत स्नेह तथा सहयोग प्रदान करेंगी । साथ ही ANSHU भी समय समय पर ससुराल में आते जाते रहेंगे तथा आपस में श्रेष्ठता के भाव की हमेशा न्यूनता रहेगी।

लेकिन ससुर के साथ में सामान्यतया संबधों में तनाव रहेगा तथा आयु में पर्याप्त अंतर के कारण वैचारिक मतभेद भी रहेंगे परन्तु यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति का अनुपालन करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी ANSHU के संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर स्नेह एवं सहयोग के भाव की न्यूनता रहेगी एवं प्रतिद्वन्दिता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण ANSHU के प्रति विशेष उल्लेखनीय नहीं रहेगा।